साहित्य अकादेमी
रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली -110 001
तार : साहित्यकार दूरभाष : 2338 6623
फैक्स : 091-11-2338 2428
ई-मेल : vptiwari378@hotmail.com

Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi 110 001
Gram : Sahityakar Phone : 2338 6623
Fax : 091-11-2338 2428
E-Mail : vptiwari378@hotmail.com
Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
अध्यक्ष

Vishwanath Prasad Tiwari
President

15 नवंबर 2017

कुँवर नारायण के निधन पर साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद तिवारी का शोक संदेश

कुँवर नारायण हिंदी के महत्त्वपूर्ण कवि और विचारक थे। अज्ञेय के बाद की नयी कविता को जिन लोगों ने समृद्ध किया उनमें कुँवर नारायण जी प्रमुख थे। उन्होंने 'आत्मजयी' 'वाजश्रवा के बहाने' तथा 'कुमारजीव' के द्वारा नयी कविता में प्रबंधात्मक तथा लंबी कविताओं का अपना एक अलग उदाहरण रखा। इन कविताओं में भूत और वर्तमान तथा दर्शन और काव्य दोनों का अद्भुत मेल दिखाई पड़ता है। कुँवर नारायण जी ने आधुनिक साहित्य पर गंभीर विचारात्मक निबंध भी लिखे। वे संगीत, चित्रकला आदि के भी मर्मज्ञ थे। उनके जाने से काव्य तथा कला का एक महत्त्वपूर्ण व्यक्तित्व हमारे बीच से सदा के लिए ओझल हो गया है।

मैं उनके निधन पर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

विश्वनाथप्रसाद तिवारी

(विश्वनाथ प्रसाद तिवारी)

Residence : Dastavez, Betiahata, Gorakhpur-273001, Uttar Pradesh Tel. : 0551-2335967

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

15 नवंबर 2017

कुँवर नारायण के निधन पर साहित्य अकादेमी के सचिव (के.श्रीनिवासराव) का

शोक संदेश

हिंदी के वरिष्ठ कवि चिंतक कुँवर नारायण जी के निधन का समाचार भारतीय भाषाओं के लिए एक ऐसी क्षति है, जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। मुख्यतः एक कवि के तौर पर पिछले सात दशकों से सक्रिय कुँवर जी ने कविता के अलावा आलोचना, कहानी, डायरी और अनुवाद–जैसी प्रमुख साहित्यिक विधाओं में भी पर्याप्त लेखन किया। अपनी सृजनधर्मिता के नाते वे अपने समकालीन रचनाकारों में ही नहीं, बल्कि परवर्ती पीढ़ी के रचनाकारों और बृहत्तर पाठक वर्ग द्वारा पर्याप्त सम्मानित व्यक्तित्व थे। भारतीय भाषाओं के अलावा उनकी अनेक कविताएँ अंग्रेजी, फ्रांसीसी, जर्मन, रूसी आदि भाषाओं में अनूदित हैं। एक संवेदनशील भावक कवि के नाते उनकी रचना दृष्टि अत्यंत व्यापक रही जो अतीत, इतिहास, मिथक और वर्तमान के साथ समान ढंग से संवाद करती थी। 1995 में उन्हें *कोई दूसरा नहीं* काव्य संकलन पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त हुआ था। उन्हें अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए, जिसमें साहित्य अकादेमी की महत्तर सदस्यता, ज्ञानपीठ पुरस्कार, रोम का प्रीमियो फ्रेरेनिओ सम्मान तथा भारत सरकार द्वारा प्रदत 'पद्मभूषण' सम्मिलित है।

अपनी रचनात्मक अनन्यता के नाते वे भारतीय साहित्य के जीवंत धरोहर बने रहेंगे। वे साहित्य अकादेमी की विभिन्न गतिविधियों में निरंतर सहभागिता करते रहे। साहित्य अकादेमी के सभी सदस्य कवि कुँवर नारायण के निधन से मर्माहत हैं और दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हैं।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in